RE. GOVERNMENT'S ASSURANCE ON TABLING DURAI COMMITTEE INQUIRY REPORT IN REGARD TO PROCEEDINGS AGAINST A CBI OFFICER.

श्री सीताराम केसरी (बिहार): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज आपका ध्यान मैं अपनी 10 जून की चर्चा की तरफ दिलाना चाहता हूं, जब मैंने विशेष चर्चा के अवसर पर यह चर्चा की थी कि बिहार में सी.बी.आई. के अधिकारी तत्कालीन **मुख्य मंत्री श्री लालू प्रसाद यादव**, जिनकी एंटीसिपेटरी बेल की रिक्वेस्ट सुप्रीम कोर्ट में रिजेक्ट कर दी गई, तब उन्होंने फैसला किया था कि पहली तारीख तक हम जाएंगे, यह 29 जुलाई, 1997 की बात है। उसके बाद भी सी.बी.आई. अधिकारी ने उस ऐंटीसिपेटरी बेल को नहीं माना और आर्मी की मांग की। इसके बाद हमने विशेष चर्चा के माध्यम से यह मामला उठाया था और दोनों सदनों में जब हंगामा हुआ था तो तत्कालीन सरकार ने एक स्टेटमेंट दिया कि हम इंक्वायरी कराएंगे और उस इंक्वायरी के लिए उन्होंने मिस्टर दुरैई को नियुक्त किया था, जो रेलवे के डायरेक्टर जनरल पुलिस थे। उन्होंने एक रिपोर्ट दी। उस पर सरकार ने सी.बी.आई. के अफसर से ऐक्सप्लेनेशन काल किया । ऐक्सप्लेनेशन काल करने पर उन्होंने कैट के सामने अपना मामला पेश किया, वहां भी जब अंस्वीकार हो गया ऐक्सप्लेनेशन का जवाब नहीं देने के लिए तब कलकत्ता हाईकोर्ट में उन्होंने पेश किया और कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्टे किया। उस पर हमने आपके सामने निवेदन किया था कि सेंट्रल गवर्नमेंट ने यहां से ऐक्सप्लेनेशन काल किया, किसी अफसर द्वारा आर्मी की डिमांड किये जाने के बारे में, जो कभी भी प्रैक्टिस नहीं है, यह अवैधानिक होते हुए भी उन्होंने आर्मी मंगाने की कोशिश की और वहां के जो आर्मी अफसर थे, उन्होंने जब जज से पूछा तो जज ने कहा कि हमने नहीं कहा है और उन्होंने कहा कि यह सी.बी.आई. का मामला है, सी.बी.आई. जाने। जब ये सारी बातें उठी, तो मैंने आपके सामने यह मामला रखा था और आपने कहा था कि-

"I am getting the matter examined. When I get the; report^ we shall come back to you."

तो मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि जो रिपोर्ट आई, उस आधार पर कार्यवाही की जाए। यहां मेरा आप से निवेदन है।

श्री सभापति: जब आपने यह मामला उठाया था तो मैंने देखा कि हाऊस में ऐशयोरेंस दिया गया था। उसके बाद मैंने मिनिस्टर ऑफ पार्लियामेंट अपयेर्स को कहा था। उन्होंने एक बयान दिया था कि हम इस बारे में जांच करके बताएंगे। मैं सरकार से कहूंगा कि मिनिस्टर ऑफ पार्लियामेंटरी अफेयर्स दोबारा हाऊस में आएं और पिछली बार जो उन्होंने कहा था कि मैं आगे बताऊंगा, उसका क्या हुआ, यह बताएं, ...(**व्यवधान**)...

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (Delhi)': Sir, it cannot go on like this.

हर चीज में डिबेट शुरू हो जाती है। कोई भी शुरू करता है और सारे सदस्य खड़े हो जाते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मैं ने कह दिया है कि ...(**व्यवधान**)...

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा: यह थोड़े ही कि हर आदमी अपना भाषण देगा ...(**व्यवधान**)... कल के 50 स्पैशल मैंशन पड़े हुए हैं ...(**व्यवधान**)... ये जब शुरू करना चाहते हैं, कर देते हैं ...(**व्यवधान**)...

SHRI S. R, BOMMAI (Karnataka): I welcome the statement' of the hon. Chiarman. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please let me here Mr. Bommai.

SHRI S. R. BOMMAI: I welcome the statement of the hon. Chairman calling upon the Govemmeilt to explain- this issue. This is a most important Constitutional decision. Today, in the "Indian Express", it has appeared... (*Interruptions).* Only one. point, Sir. Today, in the "Indian Express ", it has-appeared :that the Government is thinking of ...*(Interruptions).* I am supporting you. The' Government is thinking of preferring an appeal to the Supreme Court. But the partners, allien, of the Government..

MR. CHAIRMAN: lUese thin^ will arise when we know from the Government. I am asking the Government and the - Mmister of Partiamentary Affairs to come to the ' House and inform the House.

श्री नागमणि (बिहार): महोदय, आज सदन उठने के पहले जवाब दे सरकार ...(**व्यवधान**)... आपने निर्देश दिया था ...(**व्यवधान**)... आज 24 जुलाई है ...(**व्यवधान**)... अब तक सरकार ने क्या किया, यह मैं जानना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप जो बात कह रहे हैं, वह ठीक है। इसीलिए मैं ने कहा है कि मिनिस्टर ऑफ पार्लियामेंटरी अफ्येर्स को यहां आकर बताना चाहिए कि उन्होंने इस मामले में क्या किया।

श्री रामदेव भंडारी (बिहार): महोदय, डेढ़ महीना हो गया है, जवाब देने के लिए इतना समय काफी है ...(**व्यवधान**)... महोदय, 12 अगस्त उसकी लॉस्ट डेट है, इसलिए सरकार जल्दी इस बारे में जवाब दे ...(**व्यवधान**)...

श्री नागमणि: इससे सरकार की नीयत पर शक होता है ...(**व्यवधान**)...

सदन के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): सदर साहब, मुझे अर्ज यह करना है कि मैं इससे पहले हाऊस में हाजिर नहीं हो सका क्योंकि लोक सभा में मेरा क्वेश्चन ऑवर था। मुझे यह अन्दाजा नहीं हो सका है कि यह जो इस वक्त सवाल उठ रहा है या केसरी जी ने उठाया है इस सवाल का ताल्लुक आज के स्पेशल मेंशन से है या जीरो ऑवर से है।

†[**نیتا سدن" شری سکندر بخت"**:صدر صاحب، مجھے عرض یہ کرنا ہے کہ میں اس سے پہلے ھاؤس میں حاضر نہیں ہوسکا کیونکہ لوک سبھا میں میرا کوئشچن آور تھا۔ مجھے یہ اندازہ نہیں ہوسکا ہے کہ یہ جو اس وقت سوال اٹھ رہا ہے یا کیسری جی نے اٹھایا ہے اس سوال کا تعلق آج کے اسپیشل مینشن سے ہے یا زیرو آور سے ہے؟]

श्री सभापति: मैं बता दूं आपको ...(**व्यवधान**)...

श्री सिकन्दर बख्त: मैं अर्ज कर रहा हूं, आपका जो हूक्म है सर आंखों पर। गवर्नमेंट के जो-जो मिनिस्टर कंसर्न्ड है उनको बात पहुंचाई जाएगी। लेकिन मुझे यह लग रहा है कि अगर यह जीरो ऑवर मेंशन है तो भी और अगर यह सवाल स्पेशल मेंशन में है तो भी कुछ इसकी इंस्टीट्यूशन में फर्क आ गया है। जीरो ऑवर मेंशन में गवर्नमेंट से कोई जवाब लिया ...(**व्यवधान**)...

†[**شری سکندر بخت**:میں عرض کر رہا ہوں، آپ کا جو حکم ہے سر آنکھوں پر، گورنمنٹ کے جو منسٹر کنسرنڈ ہیں انکو بات پہنچائی جائیگی۔ لیکن مجھے یہ لگ رہا ہے کہ اگر یہ زیرو آور مینشن ہے تو بھی اور اگر یہ سوال اسپیشل مینشن میں ہے تو بھی کچھ اسکی انسٹی ٹیوشن میں فرق آگیا ہے۔ زیرو آور مینشن میں گورنمنٹ سے کوئی جواب لیا---"مداخلت"---]

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, I am on a point of order.

MR. CHAIRMAN: Let him complete. *{Interruptions)* Let him speak. आप देखिए, उनको बोलने का हक है, आप उनको बोलने तो दीजिए। आप उनको बोलने भी नहीं देना चाहते ...(**व्यवधान**)...

श्री सिकन्दर बख्त: मेरी बात तो पूरी हो जाने दो। मैं सिर्फ इतना कह रहा हूं ...(**व्यवधान**)...

†[**شری سکندر بخت**:میری بات تو پوری ہوجانے دو۔ میں صرف اتنا کہہ رہا ہوں---"مداخلت"---]

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): आपने जो निर्देश दिया उसका यह उल्लघन कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

†[ ]Transliteration in Arabic Script

श्री सिकन्दर बख्त: मैं आपका हुक्म सर आंकों पर मान चुका हूं। यह कह चुका हूं। अपने अल्फाज को कम से कम मेरे मुंह में मत डालिए। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो हुक्म चेयर का है उसको मान चुका हूं। लेकिन यह कह रहा हूं कि स्पेशल मेंशन कहा जहां तक ताल्लुक है, स्पेशल मेंशन का एडमिनिस्ट्रेटिव मिनिस्ट्री लिखकर जवाब देती है। लेकिन हर स्पेशल मेंशन पर हुकूमत को यहां आना पड़ेगा, मिनिस्टर को बुलाना पड़ेगा, जवाब देना पड़ेगा ...(**व्यवधान**)...

{**شری سکندربخت:**میں آپکا حکم سرآنکھوں پرمان چکا ہوں،یہ کہہ چکا ہوں۔اپنے الفاظ کوکم سے کم میرے منہ میں مت ڈالئے۔میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ جوحکم چیئر کا ہے اسکومان چکاہوں۔لیکن یہ کہہ رہاہوں کہ اسپیشل مینشن کاجہاں تک تعلق ہے،اسپیشل مینشن کا ایڈمنسٹر ٹیومنسٹری لکھ کرجواب دیتی ہے۔لیکن ہراسپیشل مینشن پرحکومت کویہاںآنا پڑیگا،منسٹرکوبلانا پڑیگا،جواب دینا پڑیگا---"مداخلت"---}

MR. CHAIRMAN: Mr. Virumbi, the points which were raised by you have already been conveyed to the Government. With regard to those three points, the Leader of the House has said that he will approach the concerned Ministers and come to the House. Is that all right?

SHRI SIKANDER BAKHT: Sir, I shall abide by your ruling. *(Interruptions)* I am just pleading that the institution of Special mention should not be stretched too far.

श्री गुलाम नबी आजाद (जम्मू और कश्मीर): मैं क्लियर करना चाहता हूं, आपने जो बताया, एज पार्लियामेंट्री एफेयर्स मिनिस्टर 1984 से 1996 तक मैं मिनिस्टर आफ स्टेट और कैबिनेट मिनिस्टर तीन दफे रहा हूं। उस हाउस में हो या इस हाउस में हो, पार्लियामेंट्री एफेयर्स मिनिस्टर या कैबिनेट मिनिस्टर उसमें होता था या स्टेट मिनिस्टर इसमें होता था वह पूरे जीरो आवर और स्पेशल मेंशन में प्रजेंट रहता था और जब स्पेशल मेंशन या जीरो आवर दोनों हाउस में उठते थे, अगर पार्लियामेंट एफेयर्स मिनिस्टर को जानकारी होती सब्जेक्ट को बारे में वह तुरन्त उसका जवाब देता था और यदि जानकारी नहीं होती थी तो स्पेशल मेंशन और जीरो आवर खत्म होने के बाद पार्लियामेंट एफेयर्स मिनिस्टर उठते थे और जवाब देते कि सर, मैंने तमाम पोइंट नोट किये हैं और यह कंसर्न्ड मिनिस्टर को हम लिखकर भेज रहे हैं।

Sir, the Leader of the House has referred to the oractice which was followed in the past in respect of the Zero Hour Mentions and the Special Mentions. I would like to inform him about the practice followed in the past in this respect. *(Interruptions)* Since the Leader of the House has raised a question as to what practice was followed in the past in respect of the Special Mentions and the Zero Hour Mentions, I would like to inform him about the same. *(Interruptiotts)*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, The Minister Shri Ram Naik is taking down the notes but nobody knew as to what was happening on the other side. *(Interruptions)*

श्री गुलाम नबी आजाद: इस सरकार में कोई भी पार्लियामेंट्री एफेयर्स मिनिस्टर नोट नहीं लेता है।

Sir, the Zero Hour Mentions and the Special Mentions should not go unnoticed. I don't want the Zero Houi Mentions and the Special Mentions to go unnoticed. Whenever the Members express their concern, this should not go unnoticed and the Minister of ParUamentary Affairs should rep)y to the points raised. If he is not cpmpetent enough to reply to those points, he should forward those things to the concerned Ministers and the concerned Ministers should be answerable to the House.

†[ ]Transilteration in Arabic Script

प्रो. विजय कुमार मल्होत्राः सभापति महोदय, जो अभी गुलाम नबी आजाद जी ने कहा है, मुझे भी यहीं पर चार साल आए हुए हो गए। हम लोग वहां पर बैठ करके सारे स्पेशल मेंशन उठाते रहे हैं, पर किसी ने अगर कोई मिनिस्टर चाहे और यहां बैठा हो और बीच में जवाब देना चाहे तो जवाब देता था, आम तौर पर जवाब नहीं देते थे। यह कह देते थे कि हम लिख कर भेज देंगे। **...(व्यवधान)...** यहां पर प्राईम मिनिस्टर रहे और प्राईम मिनिस्टर ने कई बार जवाब दिया। और यहां अब भी प्राइम मिनिस्टर जवाब देते हैं। पर कोई मैनडेटरी नहीं, कोई भी होगा, उसके नोट लिए जाएंगे और वह जवाब देगा, आज तक चार साल में ऐसा नहीं हुआ और ऐसा नई परंपराएं यहां न डाली जाएं। यहां नई परम्पराएं डालना ठीक नहीं है। **...(व्यवधान)...**

SHRI KHAN GHUFRAN ZAHIDI (Uttar Pradesh): This is the direction of the Chair.

डा. (श्रीमती) उर्मिला चिमनभाई पटेल (गुजरात)**:** यह नई परम्परा नहीं है, चेयर की डायरेक्शन है। **...(व्यवधान)...** जो चेयर की डायरेक्शन है, वह ओबे करनी चाहिए। **...(व्यवधान)...**

श्री राम देव भंडारी: चेयर की रूलिंग के बाद भी इस सवाल को उठाया जा रहा है **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : अब स्पेशल मेंशन **...(व्यवधान)...** प्लीज सिट डाऊन। गोपाल सिंह सोलंकी, बोलिए **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश यादव (बिहार)**:** सभापति महोदय, हमें भी कहने का मौका दिया जाए।

श्री सभापति: नहीं, नहीं... वह हो गया। अब बात हो गई। **...(व्यवधान)...** वह ईश्यू हो गया। गोपाल सिंह सोलंकी, स्पेशन मेंशन। **...(व्यवधान)...** प्लीज...प्लीज...केसरी जी ने कह दिया, उसके बाद मैंने कह दिया है। **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश यादवः सर...

श्री सभापति: मैंने कहा कि मैंने सरकार को कह दिया है।... मैंने कह दिया है। **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश यादव: सर, सदन के नेता इसका नोटिस नहीं ले रहे हैं।

श्री सभापति: ले रहे हैं, वे आएंगे...वे आएंगे। **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश यादवः कब आएंगे सर?

SHRI GOPALSINH G. SOLANKF (Gujarat): Sir, what is this? ...*(Interruptions)*... Let them keep quiet.

श्री सभापति: उन्होंने कहा कि वे मैसेज भेज देंगे। *(Interruptions)*...

SHRI O. RAJAGOPAL (Madhya Pradesh): Sir, this is very bad. ... *(Interruptions)*...

They don't observe any rule. This should not be allowed.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Sir, this is not the way to intervene. . ..*(Interruptions)*...

एक माननीय सदस्यः सर, कम से कम तीन-चार बजे का तो डायरेक्शन दीजिए इनको। **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश यादवः सर, इनको जवाब देना चाहिए। **...(व्यवधान)...**

श्री नागमणि: सर, यह बहुत सीरियस मामला है। **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश यादवः हम संविधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं। **...(व्यवधान)...** इनको कहना चाहिए, ये हाऊस की एश्योरेंस दें। **...(व्यवधान)...**

श्री खान गुफरान जाहिदी: चेयरमैन साहब, मैटर ऑफ पब्लिक इम्पेर्टिंस में आपका डायरेक्शन हम मान लेते हैं और दूसरी बात जब लीडर ऑफ दि हाऊस कह चुके तो क्या फैसला हुआ है। खुराना साहब कब तश्रीफ ला रहे हैं? अभी आ रहे हैं या कब जवाब देंगे? यह फैसला होना चाहिए। उनकी तरफ से जवाब आना चाहिए। **...(व्यवधान)...**

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Now that matter is over.

श्री सभापति: मैंने कह दिया है... मेरी बात सुनिए। मैंने कहा है कि खुराना साहब आज आकर किसी वक्त बताएंगे। बात खत्म हो गई। मैं ने जब कह दिया है तो फिर क्या बात है उनको कहने की? मैं कह रहा हूं कि मैंने कह दिया है। गोपाल सिंह सोलंकी, बोलिए।

SPECIAL MENTIONS

Need to Consider Sardar Sarovar Project as a National Project

SHRI GOPALSINH G. SOLANIKI (Gujarat): Sir, with this Special Mention, I urge upon the Government to consider the Sardar Sarpyar Project in GMJimst,as